बाबा मुक्तानन्द की समयातीत सिखावनियाँ

"एक बार जब तुम अपनी सच्ची योग्यता जान लेते हो
तो तुम दूसरों की योग्यता को जान पाते हो।"

~ बाबा मुक्तानन्द

मार्क मैक्लॉग्लिन द्वारा लिखित व्याख्या

अन्तर्मुखी ध्यान के प्रत्यक्ष अनुभव द्वारा जब आप स्वयं को जान लेते हैं, तब आप यह जान जाते हैं कि आपकी अपनी ही आत्मा के रूप में, आपके अन्दर परमात्मा का निवास है, अर्थात् उसी शक्ति का जो समस्त सृष्टि का आधार है। इतना ही नहीं, अद्वैत वेदान्त के ऋषिगण और अद्वैत शैवमत के सिद्धजन, दोनों ही हमें यह बताते हैं कि आत्मा का सच्चा सारतत्त्व सभी में एक ही है। अपनी आत्मा को जान लेने से, आप सभी में विद्यमान आत्मा को जान लेते हैं। जिस प्रकार स्वर्ण से बनी सभी वस्तुओं में स्वर्ण ही व्याप्त है, उसी प्रकार आत्मा समस्त प्राणियों में उनके सच्चे सारतत्त्व के रूप में व्याप्त है। अतः, जैसा कि बाबा मुक्तानन्द समझाते हैं कि जब आप अन्तर में विद्यमान अविनाशी आत्मा की प्रत्यक्ष अनुभूति कर उसके अपरिमित मूल्य को पहचान लेंगे, तब आप यह जान लेंगे कि अन्य सबकी योग्यता आप ही की तरह अनन्त और सर्वथा अपरिमेय है।

© २०२६ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।